जपते राधे राधे श्याम

चले विप्र हरी नाम को जपते दीनानाथ के धाम।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।
राधे श्याम राधे श्याम , राधे श्याम राधे श्याम।।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।।

डगमग डगमग देह डोलत है , रही रही पांव पिराय ।
द्वारिका पूरी कितनी दूर है , कुछ भी समझ न आय।।
कभी प्रिया के प्रेम में पागल , कभी है जपते नाम ।।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।।

दिनों के दुख हरने वाला कण - कण में तू समाया ।
कहीं धूप है कहीं है छाया , अद्भुत तेरी माया ।।
भक्ति भाव से जो भी भजता , करते उसके काम ।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।।

चले विप्र हरी नाम को जपते दीनानाथ के धाम ।
जपते राधे राधे श्याम , जपते राधे राधे श्याम ।।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34392/title/japate--radhe-radhe-shyam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |